हरिभूमि
विंध्य भूमि
सतना | छतरपुर | रीवा | सिंगरौली | पन्ना

जबलपुर, गुरुवार 16 मई 2024
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

ट्रैक्टर छोड़ने के नाम पर पैसा लेते कैमरे में हुए दो वन कर्मी सस्पेंड

सतना। वन मंडल अंतर्गत उचेहरा वन परिक्षेत्र के दो वन कर्मियों के द्वारा पैसे लिए जाने के मामले में वन मंडलाधिकारी विपिन पटेल ने वन रक्षक मनोज द्विवेदी,अजय सिंह को निलंबित कर दिया है। आपको बता दे की पैसा लेने के मामले का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था उसके बाद यह कार्रवाई की गई है। जानकारी अनुसार विगत दिनों 11 मई को उचेहरा वन परिक्षेत्र अंतर्गत गोबरांव कला में वन भूमि से लगी निजी आराजी 26/12 रकवा 0.523 है में ट्रैक्टर से जुताई करने पर कार्यवाही ना करने के एवज में की गई थी वसूली,ट्रैक्टर को जब्तकर छोड़ने के लिए पैसों की मांग हुई थी उंचेहरा परिक्षेत्र के कुसला वीट में पदस्थ है वनकर्मी मनोज द्विवेदी एवं डुडहा बीट में पदस्थ अजय सिंह बीट गार्ड ने लिए थे पैसे जिसे कुछ लोगों द्वारा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया था। हालांकि अजय सिंह और मनोज द्विवेदी अपनी कार्यशैली से हमेशा चर्चा में रहते आए हैं।

शासन की उदिता योजना का लाभ आंगनवाड़ी केन्द्रों में नही मिलता

मैहर। मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा जिले के आंगनवाड़ी केन्द्रों में आने वाली महिलाओं व बालिकाओं को सेनेट्री पैड उदिता योजना शुरू की गई थी परन्तु केन्द्रों में उक्त योजना का कई अता पता नहीं है। हितग्राहियों के लिए प्रारंभ की गई योजना केवल कागजों पर संचालित होती दिखाई दे रही है। आंगनवाड़ी केन्द्रों में महिलाओं को सेनेट्री पैड मिलना क्यो बंद हुए जिससे हितग्राहियों को बाजार से मंहगे सेनेट्री पैड खरीदने को मजबूर है। वहीं महिला एंव बाल विकास विभाग योजना को क्रियान्वित के लिए क्यों सक्रिय नहीं है जब कि आंगनवाड़ी केन्द्रों में कई उदिता कार्नर खाली पड़े है। सरकार के महामारी के दौरान युवतियों में स्वच्छता के बढ़ते ग्राफ के कारण उदिता योजना को आंगनवाड़ी केन्द्रों में संचालित किया था लेकिन यह योजन क्यों फेल हो गई जिसमें किशोर बालिकाओं से महिलाएं आती थी उन्हें 15 रुपए की कीमत में सस्ते दाम पर सेनेट्री पैड उपलब्ध कराए जा रहे थे जब कि स्टेशनरी की दुकानों पर उसकी कीमत 40 रुपए है। सभी केन्द्रों पर उदिता कार्नर बाक्स रखकर महिलाओं को सेनेट्री पैड दिए जा रहे थे। वर्तमान में बाक्स खाली पड़े हुए हैं।

कई वार्डों में सड़कों की दुर्दशा, नगर निगम के अधिकारी बेखबर

सीवर लाइन और सड़कों की मरम्मत की यही रफ्तार रही तो बारिश में होगा बुरा हाल

सतना। शहर में चल रहे सीवर के काम और सड़कों की मरम्मत की रफ्तार अब तेज करने की जरूरत महसूस होने लगी है। मौसम का मिजाज बदलते जा रहा है और बीच-बीच में बारिश भी हो रही है। ऐसी स्थिति में अगर काम की रफ्तार तेज नही की गई तो नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

नगर निगम आयुक्त ने किया रेस्टोरेशन कार्य का निरीक्षण

नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीना ने मंगलवार की सुबह विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर सीवर लाइन बिछाये जाने के उपरांत किये जा रहे रेस्टोरेशन के कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण उपरांत रेस्टोरेशन के कार्य को त्वरित किये जाने के निर्देश दिये गये।आयुक्त,नगर पालिक निगम द्वारा शहर के नागरिकों को अवगत कराया गया है कि शहर के कोठी रोड,रीवा रोड,टिकुरिया टोला से जयस्तंभ चौक होते हुये सिटी कोतवाली,सिटी कोतवाली से डालीबाबा एवं जयपुरिया स्कूल से भरहुतनगर मोड़ तक के मार्गों में वर्तमान में सीवर लाइन बिछाये जाने का कार्य प्रगतिरत है। उपरोक्त मार्ग शहर के प्रमुख व व्यस्त मार्ग होने के कारण सीवर लाइन बिछाये जाने के 24 घंटे में खोदे गये भाग को निर्माण सामग्री से भरकर मार्ग को चलने योग्य किया जा रहा है। उपरोक्त सभी मार्गों में सीवर लाइन की गहराई अधिक होने के कारण त्वरित सीसी/डामर रोड का निर्माण किया जाना संभव नहीं है।आगामी वर्षा ऋतु पश्चात निगम द्वारा उपरोक्त सभी प्रमुख मार्गों पर सीमेन्ट कांक्रीट एवं डामर से रेस्टोरेशन कराया जायेगा। इसी के साथ ही शहर के आंतरिक मार्गों में सीमेन्ट कांक्रीट एवं डामर से रेस्टोरेशन का कार्य कराया जा रहा है जो शीघ्र ही पूर्ण हो जायेगा। इस संबंध में नागरिकों से अपील है कि वह निगम का सहयोग करें,ताकि निगम आगामी समय में इन मार्गों को आवागमन युक्त बना सके।

पहले कॉलोनी की वैधता जांचें फिर बनाये सड़क

आयुक्त नगर पालिक निगम द्वारा नगर निगम के निर्माण कार्यों,भवन अनुज्ञा,कॉलोनी सेल,अतिक्रमण की समीक्षा की गई। समीक्षा उपरांत निर्देशित किया गया कि शहर के विकसित क्षेत्रों में नागरिकों के सामान्य आवागमन की सुविधायें निगम द्वारा समय-समय पर उपलब्ध करायी गयी है। शहर के उन क्षेत्रों में जहां नवीन रूप से अवैध कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। ऐसी अवैध कॉलोनी क्षेत्रों में आवागमन की मांग की जाती है। जबकि अवैध कॉलोनी क्षेत्रों में निगम निधि से निर्माण किया जाना पूर्णतः प्रतिबंधित है।अतः यदि शहर के किसी भी भागों से नवीन डब्ल्यूबीएम रोड के प्रस्ताव प्राप्त होते हैं तो ऐसे प्रस्तावों का कॉलोनी की वैधता की दृष्टि से परीक्षण किया जाये। यदि प्रस्ताव शासकीय रूप से अनुमत्त है तो ऐसे क्षेत्रों में डब्ल्यूबीएम के स्थान पर डब्ल्यूबीएम के प्रस्ताव तैयार न किये जाये।

नियम विरूद्ध हो रहे संचालित क्रेशरों से जनजीवन प्रभावित

क्रेशरों में होते रहते है हादसे, नहीं होता है नियमों का पालन, ग्रामीण बीमारियों का हो रहे शिकार

मैहर। जिले की सौगात के पश्चात मैहर से अमरपाटन फोर लेन सड़क के किनारे और गांवों में बसने वाले ग्रामीणजन क्रेशरों के प्रदूषण से विभिन्न बीमारियों को शिकार हो रहे है वहीं उनकी फसलें भी नष्ट हो रही है। नियम विरूद्ध चल रहे कई क्रेशर ऐसे है जो खुले आम शासन के मापदण्डों के नियमों को बलाए ताक रखकर खुले आम धज्जियां उड़ा रहे है। परेशान ग्रामीणों के द्वारा आरोप लगाए जा रहे है कि जिले के खनिज अधिकारियों के पास भी इन क्रेशर संचालकों की करतूतों का लेखा जोखा है। ये अधिकारी समय समय पर निरीक्षण करने की महज औपचारिकता करते किंतु समस्याओं का निराकरण नहीं करते है इससे आरोपों को सत्यता मिलती है कि महीने में एक मोटी रकम खनिज अधिकारी व उसके अधीनस्थ स्टाफ भी वसूली करने में नहीं चूकते है। खनिज विभाग संरक्षण में खनिज माफिया खूब फल फल रहे है जिसके कारण आए दिन पत्थर खदान या फिर क्रेशरों में हादसे होना आम बात हो गई है। अमरपाटन रोड में एक क्रेशर मे श्रमिक की मौत होने पर उसके जीवन का मूल्य केशर संचालक के द्वारा दे दिया गया था मगर इस संबंध में सरकार के द्वारा काई कार्यवाही न होना आज भी चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों के द्वारा बताया जाता है कि इन क्रेशर संचालकों के द्वारा जो पत्थर खदान पर ब्लास्टिंग की जाती है उसमें भी नियमों के मापदण्डों का पालन किया जाता है जिसके चलते ग्रामीण अंचलों के घरों में दरारे आना भी कोई नया कारण नहीं है वहीं उड़ती डस्ट से लोग बीमार हो रहे है। बताया जाता है कि कई ऐसे क्रेशर है जिनके पास पत्थर खदान की लीज भी समाप्त हो चुकी है और उन्होंने रिनुअल भी नहीं कराया है और खनिज अधिकारियों के संरक्षण में वह बेरोक टोक पत्थर खदान से निकाल रहे है। इसी तरह क्रेशर के संचालकों के द्वारा जिन मजदूरों को कार्य में लगाया गया है उन्हें सेफ्टी की सुविधा भी नहीं दी जा रही है साथ ही श्रमिकों के नियमों के मापदण्ड के अनुरूप कलेक्टर दर पर उन्हें न तो मजदूरी दी जा रही न ही उनका पीएफ काटा जा रहा है। जब कि शासन के नियमानुसार यदि 10 मजदूरों से अधिक कार्य कर रहे है तो उनका पीएफ व विधिवत खाता खुलाकर बैंकों के माध्यम से उन्हें वेतन या मजदूरी दी जानी चाहिए। लेकिन वर्षो से कर रहे इन मजदूरों के साथ भी क्रेशर संचालक खिलवाड़ कर रहे है। यदि ग्रामीणों के द्वारा जिला कलेक्टर से शिकायत भी की जाती है तो वह मामला खनिज विभाग के पास ही जाने पर उन्हें प्रमाणित कर दिया जाता है कि उपरोक्त क्रेशर नियमों के तहत ही चलाया जा रहा है। अब देखना यह होगा कि मैहर जिले के क्रेशर संचालकों के खिलाफ जिले के उच्चाधिकारी क्या कोई उचित कार्यवाही कर ग्रामीणों को न्याय दिला पाएंगे।

इमलिया खदान से 2 किलोमीटर दूर फिल्टर प्लांट में पहुंचा पानी

मैहर नगर की पेयजल समस्या का हुआ समाधान

सतना। जिले में अल्पवर्षा होने से ग्रीष्मकाल में जलस्तर नीचे जाने पर नगरीय निकायों में भी पेयजल की आपूर्ति में कठिनाई होने लगी है। मैहर नगरपालिका क्षेत्र में पेयजल की सुगम आपूर्ति और उपलब्धता के लिये कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने नगर पालिका अधिकारी मैहर को वैकल्पिक जलस्त्रोत चिन्हांकित कर पेयजल आपूर्ति बहाल करने के निर्देश दिये थे। नगर पालिका मैहर के मुख्य नगर पालिका अधिकारी लालजी ताम्रकार ने बताया कि अल्पवर्षा और गिरते जलस्तर के दौरान नगर में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। नगरपालिका क्षेत्र में एक दिन छोड़कर और कुछ वार्डों में टैंकर के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही थी। कलेक्टर मैहर के निर्देशानुसार जलभंडार के वैकल्पिक स्त्रोत के रुप में केजेएस सीमेंट की इमलियां खदान का चिन्हांकन कर एकत्र पानी की गुणवत्ता जांच की गई।मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि खदान के समीप 25 हार्सपावर की मोटर लगाकर लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मैहर नगर पालिका के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक पानी लाया गया है। लगभग 2 किलोमीटर की दूरी से पानी लाने 110 सेंटीमीटर डाया की पाइनलाइन बिछाई गई है। सीएमओ ने बताया कि मैहर नगर पालिका क्षेत्र के लिये लगभग 40 लाख लीटर पानी की प्रतिदिन आवश्यकता होती है। फिल्टर प्लांट की क्षमता 20 लाख लीटर पानी की है। जिसके लिये इमलिया खदान से आपूर्ति होगी। शेष मैहर नगर पालिका क्षेत्र के अन्य जलस्त्रोतों से 10 लाख लीटर पानी की आपूर्ति हो रही है। इस प्रकार ग्रीष्मकाल में मैहर नगर पालिका क्षेत्र में जलसंकट और पेयजल की समस्या की समाधान संभव हुआ है।

सीवर लाइन की खुदाई ने जनता का जीना कर दिया दुश्वार

काम में तेजी लाकर गड्ढों को पैक किया जाए जिससे लोगों को परेशानी न हो: गीता सोनी

मैहर। मैहर नगर पालिका क्षेत्र में इस समय सीवर लाइन डालने का काम चल रहा है लेकिन इस कार्य में ठेकेदार की लापरवाही के कारण नगर को लोगों को आने जाने में काफी परेशानी हो रही जिसकी शिकायत नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी से किए जाने पर उन्होंने इस मामले को संज्ञान में लेते हुए सीवर लाइन के ठेकेदार को हिदायत देते हुए कार्य करने के लिए कहा गया। नगर पालिका परिषद क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लगातार बेमौसम बरसात व आंधी तूफान से लगातार सड़कों की हालत खराब हो गई है।

सीवर लाइन के निर्माण कार्य ने सड़क के बीचों बीच खुदाई से लोगों का चलना हो रहा है। सड़क में खोदे गए गड्ढों को मिट्टी से पूर दिया गया है जो पानी गिरते ही कीचड़ के साथ उस जगह पर गड़ढें हो जाते है जिसमें वाहन चालक फिसल कर घायल हो जाता है वहीं सड़की की मिट्टी से फैले कीचड़ से लोगों को निकलना मुश्किल हो जाता है। इस समस्या को देखते हुए नपा अध्यक्ष गीता संतोष सोनी ने सख्त होते हुए सीवर लाइन का निर्माण कार्य कर रहे ठेकेदार को शख्त हिदायत देते हुए यह कहा गया कि वार्डो में सड़कों पर पड़े मिट्टी के ढेर को तत्काल हटाये और निर्माण कार्य के बाद सड़क साफ किया जाए जिससे आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पडें। श्रीमती गीता सोनी ने कहा कि सीवर लाइन के निर्माण कार्य में तेजी लाए ताकि आने वाली आगामी बरसात में नगर वासी सुरक्षित चल सके। आज जिस तरह से शहरी क्षेत्र में बीच सड़क में सीवर लाइन डाली जा रही है उससे बरसात के समय बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। नपा अध्यक्ष ने कहा इन सभी समस्याओं को लेकर विचार विमर्श कर कोई न कोई रास्ता निकाला जाएगा कि बीच सड़क में खोदाई की गई सड़क में बने गड्ढों को कैसे बरसात के पहले पूरा पैक कराया जा सके साथ ही सीवर लाइन ठेकेदार से संतोष सोनी ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत (सीआरएम) यानी जहां ज्यादा गड्ढे है उन स्थानों पर डस्ट डालने की बात की गई है,ताकि सड़क पर चलने वाले लोगो को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

कलेक्टर मैहर ने की सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा

प्रकरणों के निराकरण की गुणवत्ता कायम रखें: रानी बाटड

सतना। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने बुधवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कहा कि जिले में 10 हजार से अधिक प्रकरण लंबित हैं। सभी विभाग प्रमुख तेजी से संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें,सीएम हेल्पलाइन का कोई भी प्रकरण नॉट-अटेंड नहीं रहना चाहिये। कलेक्टर ने कहा कि प्रकरणों के निराकरण में भविष्यात्मक टीप अंकित नहीं करें और प्रकरणों के निराकरण की गुणवत्ता बनाये रखें। कलेक्ट्रेट मैहर के सभाकक्ष में अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह,एसडीएम विकास सिंह, आरती यादव,डॉ आरती सिंह सहित सतना और मैहर जिले के विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर रानी बाटड ने सभी विभागों में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा विभागवार की। समीक्षा के दौरान पिछले हफ्ते की तुलना में 99 शिकायतें कम होना पाई गई। जिनमें 10 हजार 344 शिकायतें अभी भी लंबित हैं। इन शिकायतों में एल-वन स्तर पर 2501,एल-टू पर 852,एल-श्री पर 6486 और एल-फोर पर 505 शिकायतें लंबित पाई गई। कलेक्टर ने कहा कि मैहर जैसे जिले में 10 हजार से अधिक शिकायतें लंबित रहना चिंताजनक है। सभी विभाग तेजी से निराकरण कर उन्हें सामान्य स्तर पर लायें। कलेक्टर ने कहा कि अधिकांश शिकायतें विभागों के आपसी समन्वय और संवाद नहीं होने से लंबित हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री लाडली बहना ग्रामीण क्षेत्र की 1357 शिकायतें महिला बाल विकास और सीईओ जनपद की संवादहीनता के फलस्वरुप लंबित रहने पर प्रभारी डीपीओ राजेंद्र बांगरे और जनपद सीईओ अमरपाटन के प्रति गहरी नाराजगी जाहिर की। सीएम हेल्पलाइन की सबसे ज्यादा लंबित शिकायतों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की 1426,राजस्व 1358,महिला बाल विकास 976,नगरीय विकास 483,स्वास्थ्य विभाग 162, खाद्य विभाग 449,ऊर्जा विभाग 382,पंचायती राज 344 एवं प्रसूति सहायता की 744 शिकायतें लंबित रहने पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर की और प्रत्येक सप्ताह कम से कम 100 शिकायतें कम कर निराकरण की दैनिक रिपोर्ट प्रतिदिन ग्रुप में पोस्ट करने के निर्देश दिये। समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में जल संसाधन,सामाजिक न्याय एवं निःशक्त जनकल्याण,श्रम विभाग से किसी अधिकारी के उपस्थित नहीं रहने पर संबंधित विभाग के जिला प्रमुख को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। खाद्य सुरक्षा प्रशासन के निरीक्षक को वेतन रोकने की नोटिस जारी करने के बावजूद टीएल बैठक में उपस्थित नहीं होने पर कलेक्टर ने नाराजगी प्रकट करते हुए पुनः नोटिस देने के निर्देश दिये।जनपद सीईओ अमरपाटन ने बताया कि सीएम लाडली बहना की लंबित 1357 शिकायतों में 576 शिकायतें अकेले जनपद अमरपाटन की भुगतान से संबंधित हैं। जिनका निराकरण जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास (एल-टू अधिकारी) द्वारा किया जाना है। कलेक्टर ने प्रभारी डीपीओ के प्रति अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि डीपीओ और तीनों जनपद के सीईओ साथ बैठकर कल तक शिकायतों का निराकरण करायें,अन्यथा कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर ने कहा कि विभागीय अधिकारियों के परस्पर संवाद और सामंजस्य से नहीं होने से अधिकतर शिकायतें लंबित हैं। सीएम एलबीवाय की एल-फोर स्तर पर लंबित शिकायतों को एल-वन पर लाकर स्थानांतरित करने या निराकरण करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिये।

सभी पात्र श्रमिकों का करें संबल में रजिस्ट्रेशन

कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने कहा कि नगरीय निकाय और जनपद के सीईओ सुनिश्चित करें कि श्रमिक कल्याण की योजनाओं में सभी पात्र श्रमिकों का पंजीयन रहना चाहिये। उन्होंने कहा कि आमतौर पर दुर्घटनाओं के प्रकरणों में हताहत व्यक्तियों को आर्थिक सहायता की जरूरत होती है और दुर्घटना में प्रभावित व्यक्ति श्रम कल्याण योजनाओं में बहुधा पात्र भी होते हैं। लेकिन पंजीयन नहीं होने से लाभ से वंचित रह जाते हैं।

गलत जानकारी देने पर जल निगम के प्रबंधक के प्रति अप्रसन्नता

कलेक्टर मैहर ने जल निगम के प्रबंधक नीरव अग्रवाल को टीएल बैठक में गलत जानकारी प्रस्तुत करने पर गहरी अप्रसन्नता व्यक्त की। विगत टीएल बैठक में प्रबंधक ने बताया था कि रामनगर क्षेत्र में बड़ा इटमा, नादो गांव में योजना की पेयजल सप्लाई के पाइप में किसानों द्वारा पानी मोटर लगाकर खींच लेने से आगे के गांव में पेयजल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। कलेक्टर के निर्देश पर एसडीम रामनगर डॉ आरती सिंह ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया,वहां ऐसी कोई बात नहीं पाई गई। जलापूर्ति लाइन में पेयजल सप्लाई ही नहीं पाई गई। कलेक्टर ने जल निगम के प्रबंधक द्वारा समीक्षा बैठक में गलत जानकारी प्रस्तुत करने पर अप्रसन्नता व्यक्त की।

लापरवाह शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस

सतना। कार्यालय कलेक्टर जनजातीय कार्य विभाग सतना द्वारा आदिवासी बालक आश्रम शाला अजवाईन जिला मैहर के उच्चश्रेणी शिक्षक जितेंद्र सिंह और आदिवासी बालक आश्रमशाला बरौंधा के सहायक शिक्षक मणिराज सिंह को कर्तव्य पर बिना सूचना अनुपस्थित रहने और कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसके अनुसार आदिवासी आश्रम शाला बरौंधा के सहायक शिक्षक मणिराज सिंह 17 मई 2022 से बिना सूचना अनुपस्थित हैं। इसके पूर्व इनके खिलाफ दो विभागीय जांच उपरांत दो वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से और तीन वेतनवृद्धि संचयी प्रभाव से रोकी जा चुकी थीं। संबंधित को तीन दिवस के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया है। अन्यथा की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्यवाही एकपक्षीय की जायेगी। आदिवासी बालक आश्रम शाला अजमाईन के उच्च श्रेणी शिक्षक जितेंद्र सिंह को आश्रम शाला से लगातार दो माह से अनुपस्थित होने पर नोटिस जारी की गई है। इसके पूर्व भी शासकीय कार्य में लापरवाही बरतने पर निलंबित किया गया था। संबंधित के खिलाफ विभागीय जांच भी चल रही है। उच्च श्रेणी शिक्षक को नोटिस जारी कर 3 दिवस में समक्ष में उपस्थित होकर जवाब मांगा गया है।

बम-बम महाराज ने टेंकरों का विधिवत पूजन कर जनता को किया समर्पित

मैहर। मैहर नगर की जनता को निःशुल्क पेयजल उपलब्ध कराने के लिए समाजसेवी रमेश पाण्डेय बम-बम महाराज के द्वारा विधिवत पूजन कर 2 पानी के टेंकरों का शुभारंभ किया गया। मैहर को जिला बनाने के साथ मिनी स्मार्ट सिटी का तोहफा सरकारी की ओर दे दिया गया है मगर नगर के लोगों को मूलभूत सुविधाएं आज भी नहीं मिल रही है जिसके चलते नगर के लोगों में असंतोष व्यात है। इस समय सबसे बड़ी समस्या पेयजल की है जो दशकों से मैहर के लिए नासूर बनी हुई है। नगर पालिका के द्वारा आज कई वर्षो से एक दिन छोड़कर एक दिन कुछ मिनटों के लिए पानी की सप्लाई की जा रही है जिससे लोगों को पानी की पूर्ति पूरी नही हो रही है। इसी समस्या को देखते हुए नगर के समाजसेवी रमेश पाण्डेय बम बम महाराज,धीरज पाण्डेय,आदर्श चतुर्वेदी के द्वारा विधिवत पूजन कर पानी उपलब्ध कराने के लिए पानी के टेंकर को ध्वज दिखाकर नगर को रवाना किया गया।रेलवे स्टेशन रोड पर संचालित माई की रसोई जहां पर मैहर आने वाले माई के दर्शनार्थियों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाता है के संचालक धीरज पाण्डेय के द्वारा नगर की जनता को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 2 पानी के टेंकरों को तैयार कराया गया था जिससे हर वार्ड में जहां पर जरूरत होगी इन टेंकरों के द्वारा निःशुल्क पानी उपलब्ध कराया जाएगा। नगर में जिस वार्ड में पानी की विशेष कमी देखी जाएगी उस वार्ड में प्राथमिकता के तौर पानी पहुंचाया जाएगा। श्री पाण्डेय ने कहा है कि पानी के टेंकरों में मोबाइल नंबर लिखा हुआ है जिस पर फोन कर पानी की सुविधा ले सकते है। माई की रसोई के संचालक धीरज पाण्डेय के द्वारा जल संकट के समय शुरू की गई पानी की सप्लाई से नगर के लोगों को राहत मिलेगी।

खबर संक्षेप

कृषि योजनाओं के लाभ के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

पन्ना। शासन के नवीन दिशा निर्देश अनुसार अब कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ कृषक हितग्राहियों को ऑनलाइन पंजीयन के उपरांत ही मिल सकेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक ए.पी. सुमन ने बताया कि योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए कृषक एम किसान ए प र ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। पोर्टल अथवा कॉमन सर्विस सेंटर पर भी पंजीयन कराया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए संबंधित विकासखण्ड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अथवा अपने क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

आलोक मार्को को परियोजना अधिकारी का सौंपा अतिरिक्त प्रभार

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने प्रशासनिक कार्य सुविधा के दृष्टिगत तत्काल प्रभाव से डिप्टी कलेक्टर आलोक मार्को को अपने कार्य के साथ प्रभारी परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण पन्ना का अतिरिक्त प्रभार आगामी आदेश तक सौंपा है। इसके पूर्व 19 जनवरी 2023 को मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद पन्ना शशिकपूर गढ़पाले को उक्त प्रभार दिया गया था।

देश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

पन्ना। यूएई में एशियन चौम्पियनशिप में देश का परचम लहराने वाले खिलाड़ियों को लगातार सम्मानित किया जा रहा है। शहर की अग्रणी शैक्षणिक संस्था महारानी दुर्गा राज्य लक्ष्मी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पन्ना की संचालक एवं पन्ना राजपरिवार की राजकुमारी कृष्णा कुमारी ने आज भारतीय टीम का हिस्सा रहीं अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता हर्षिता विश्वकर्मा और भारत की ओर से 9 रेंक टॉप 10 स्थान बनाने वाले इरफान उल्ला खान को सम्मानित किया। गौरतलब है कि इरफान खान ने इसी स्कूल में बतौर खेल प्रशिक्षक सेवाएं भी दी हैं। वहीं हर्षिता ने विद्यालय में केजी से हायर सेकेंडरी की सम्पूर्ण पढ़ाई यहीं की है। ऐसे में संस्था की ओर से दोनों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। विदित हो कि पन्ना के इन दोनों खिलाडियों ने दुनियां भर में अपने शहर का प्रदेश का नाम गौरांवित किया है। इस उपलक्ष्य पर कृष्णा कमारी ने दोनों खिलाडियों को शुभकामनाएं दी और उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पन्ना में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, सही मेहनत और मार्गदर्शन से प्रतिभाओं को निखारा जा सकता है। इरफान और हर्षिता इसका स्पष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ी हमारे विद्यालय परिवार से ही आते है, दोनों ने लक्ष्य के साथ मेहनत की और आज इस मुकाम को हासिल किया है। इस दौरान संस्था के खेल प्रशिक्षक पहलवान सिंह सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

जनवार पंचायत में सरपंच, सचिव और उपयंत्री लिख रहे भ्रष्टाचार की इबारत

जंगल की खखरी के पत्थरों से नाला में कदम-कदम पर बना दिए चेक डेम

पन्ना। जनपद पंचायत पन्ना अंतर्गत ग्राम पंचायत जनवार में मनरेगा योजना के कार्यों में भारी अनियमितता कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार से शासन को लाखों रुपए का चूना लगाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पंचायत सचिव सूर्य प्रताप सिंह यादव और उपयंत्री मुकेश शिवहरे इस पंचायत को ठेके पर चला रहे हैं। सरपंच रामखेलावन चौधरी को केवल कमीशन से मतलब रहता है। रोजगार सहायक राशिद बेग द्वारा मस्टर तैयार किए जाते हैं। सचिव के द्वारा सरपंच व अन्य के हस्ताक्षर करवा कर काम से पहले ही राशि निकाल ली जाती है। बाद में काम के नाम पर लीपापोती कर देते हैं।

चेक डेम निर्माण के नाम बड़ा फर्जीवाड़ा

वर्तमान में सबसे बड़ी अनियमितता और भ्रष्टाचार चेक डैम निर्माण में बताया जा रहा है, जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत जनवार के चरन हार से लगे हाड़ा की नरिया में वन विभाग की खखरी के पत्थरों से जगह-जगह पर बेढंगे चेक डेम बना दिए गए हैं जो किसी काम के नहीं हैं। फर्जी मस्टर से मजदूरी की राशि का भुगतान कर लिया जाता है। वहीं पत्थरों के नाम पर अपने चहेतों के खातों में फर्जी बिलों का भुगतान कर दिया जाता है।

अमृत सरोबर निर्माण के नाम पर लीपापोती

इसी प्रकार छुलहर हार में अमृत सरोवर के नाम पर मिट्टी की एक मेड़ डालकर भारी भरकम राशि आहरित कर ली गई है, इसी के ठीक बगल में वृक्षारोपण के नाम पर गड्ढे खोद दिए गए हैं। इसी प्रकार गौशाला के पीछे गोचर निर्माण के लिए लाखों रुपए की राशि से केवल तार जाली के अलावा कोई भी काम नहीं किया गया। गौशाला भी काफी समय से बंद चल रही है और गोवंश यहां-वहां भटक रहा है। सीसी रोड निर्माण, सोखता गड्ढा, पर्कुलेशन टैंक आदि निर्माण के नाम पर भी भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

नहीं हो रही कार्रवाई

बताया गया है कि पंचायत सचिव सूर्य प्रताप सिंह और उप यंत्री मुकेश शिवहरे की जनपद पंचायत से लेकर जिला पंचायत तक के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों में अच्छी धाक है और यह मैनेजमेंट में भी माहिर बताए जाते हैं। लोगों ने यह भी बताया कि सूर्य प्रताप सिंह पूर्व में मनकी पंचायत में सचिव थे जहां वर्तमान में उनकी पत्नी सरपंच है। सूत्रों के अनुसार सूर्य प्रताप के द्वारा अधिकांश कार्यों के नाम की राशि पहले ही फर्जी मस्टर व बिल बाउचर के जरिए निकल ली जाती है, जिनकी शिकायतों और समाचारों पर जांच के नाम पर लीपापोती कर दी जाती है जिससे इनके हौसले बुलंद है और लगातार अनियमितता एवं भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं। पंचायत सचिव का पक्ष जानने के लिए कई बार फोन करने के बाद भी संपर्क नहीं हो सका जिससे ग्राम पंचायत जनवार के सचिव सूर्य प्रताप सिंह यादव का पक्ष समाचार में शामिल नहीं किया जा सका।

इनका कहना है

जनवार में चेक डेम बने हैं, भुगतान हेतु बिल बाउचर भी लग चुके होंगे लेकिन मुझे ज्यादा जानकारी नहीं है।
मुकेश शिवहरे उपयंत्री

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 27 बकरियों की मौत, 6 घायल, बाल-बाल बचा बकरी चरवाहा

पन्ना। कोतवाली पन्ना एवं ककरहटी चौकी अंतर्गत ग्राम बसई के जंगल में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 27 बकरियों की मौत और 6 बकरियों के घायल होने का मामला सामने आया है। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार रामेश्वर पाल निवासी ग्राम बसई रोज की भांति अपनी बकरियां चराने जंगल गया था, अचानक तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई और तभी जोरदार गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी जिसकी चपेट में आने से 27 बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 6 बकरियां घायल बताई जा रही हैं, इस घटना में बकरी चारक रामेश्वर पाल बाल-बाल बचा है। पशु चिकित्सालय की टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर घायल बकरियों का इलाज किया जा रहा है। एवं मृत बकरियों का पीएम किया जा रहा है ताकि पीडित को आर्थिक क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की जा सके। घटना के संबंध में बकरी चारक रामेश्वर पाल ने घटना की जानकारी दी।

मोटर साइकिल में परिवहन कर ले जा रहे शराब वाहन की भिड़ंत

शराब परिवहन कर रहे वाहन चालक मौके से वाहन छोड़ कर भागा

देवेन्द्रनगर। थाना क्षेत्र अंतर्गत रात्रि 8 बजे देवेंद्रनगर के सतना रोड अग्रवाल पेट्रोल पंप के पास दो बाईकों में आपस में टक्कर हो जाने से एक बाइक में अवैध शराब ले जाया जा रहा था जो की बताया जा रहा है कि शराब को छोड़कर मोटर साइकिल सहित छोड़ कर मौके से भाग निकला लोगों ने देखा कि दो थैले जो सड़क पर बिखरे पड़े हुए थे उससे शराब की बोतले बाहर गिर गई थी जिसे देखते ही लोगो में बटोरने की होड़ मच गई जो की बताया जा रहा है की थैलों में

काफी मात्रा में अवैध शराब थी जिसे लोग उठा कर ले गए इसके बाद जैसे ही पुलिस को सूचना मिली तो पुलिस मौके पर पहुंची तो वाहन और कुछ शराब जप्त कर देवेंद्र नगर पुलिस थाने ले गई वहीं देखा जा रहा है की आए दिन अवैध परिवहन रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है वही इस वीडियो ने देवेंद्र नगर पुलिस की पोल खोल दी। देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र से गांव गांव तक पैकारी की जा रही है जिसे पुलिस रोकने में नाकाम साबित हो रही है।

लक्ष्य ने 95 प्रतिशत एवं अनंदिता ने संविद गुरुकुलम में 12 वीं की परीक्षा में प्राप्त किया द्वितीय स्थान

पन्ना। जिले के वरिष्ठ पत्रकार दैनिक भास्कर के ब्यूरो चीफ मनीष मिश्रा के पुत्र केंद्रीय विद्यालय पन्ना के दसवीं के छात्र लक्ष्य मिश्रा (गुन्नू) ने सीबीएसई हाई स्कूल परीक्षा में 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता अर्जित करने पर बहुत-बहुत बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाए। वहीं संविद गुरुकुलम वृंदावन में पढ़ाई कर रही नगर की अनंदिता ने सीबीएसई 12 की परीक्षा में 90.22:अंक अर्जित कर गुरुकुलम में द्वितीय स्थान प्राप्त किया अनंदिता अंजली भदोरिया एव इंजी योगेन्द्र भदोरिया की सुपुत्री एवं श्रीमती लक्ष्मी भदोरिया व पूर्व प्राचार्य राजेन्द्र सिंह भदोरिया की पौत्री है।

सदियों से चली आ रही परंपरा का हुआ निर्वहन, श्रद्धालुओं को मिला शरबत का प्रसाद

पन्ना। मंदिरों की पवित्र नगरी पन्ना में एक ऐसा मंदिर भी है, जहां वर्ष में एक बार श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में स्वादिष्ट शरबत दिया जाता है। वह भी श्रद्धालुओं की इच्छा अनुसार चाहे वह जितना शरबत ले। नगर के धाम मोहल्ला स्थित श्री बाईजूराज महारानी जी मंदिर में वैशाख शुक्ल अष्टमी अन्तर्धान की तिथि के रूप में मनाया जाता है। श्रद्धालु सुंदरसाथ के द्वारा निर्जला व्रत रखने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। परंपरानुसार शरबत का भोग श्री श्यामाजी महारानी जी को अर्पित कर फिर सभी निर्जला व्रत श्रद्घालु सुन्दरसाथ व उपस्थित सभी श्रद्धालु सुंदरसाथ को प्रसाद के रूप में मीठा शरबत जो कि शक्कर व काली मिर्च के मिश्रण से बनाया जाता है उसी को वितरित किया जाता है।

प्रणामी धर्म के अनुयायी देश के कोने-कोने से इस दिवस को मनाने पहुंचते हैं

बुधवार वैशाख शुक्ल अष्टमी अन्तर्धान की तिथि पर पन्ना के प्रसिद्ध बाईजू राज महारानी जी के मंदिर में दोपहर 12 बजे से प्रणामी समाज के सैकड़ों सुन्दरसाथ जिसमे महिलाएं, पुरुष, बच्चों के साथ-साथ श्री 108 प्राणनाथ जी मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी, न्यासी सभी पहुंचे हैं। इसके साथ प्रणामी धर्म के अनुयायी जो पूरे देश में फैले हुए हैं उनमें से कुछ अनुयायी भी इस दिवस को मनाने पन्ना जी पहुंचते हैं। अन्तर्धान दिवस मनाने मंदिर पहुंचे समस्त श्रद्घालु सुन्दरसाथ श्री श्यामजी की कृपा को बार-बार स्मरण करते हैं व श्यामा जी महारानी जी के मंदिर में करूण रस में विरह के भजन गाए जाते हैं। विरह के भजन के गायन के पश्चात दोपहर लगभग 2 बजे मीठे शरबत को चरणामृत के रूप में भरपूर बांटते हैं जिस प्रसाद को पाकर सुन्दरसाथ अपना नीरजला व्रत पूरा करते हैं। उनके अन्तर्धान की तिथि को निर्जला व्रत रखने की परम्परा का परिपालन करते हैं, कुछ श्रद्धालु आज के दिन मौन व्रत भी रखते हैं।

सैकड़ों की संख्या श्रद्धालु शामिल होते हैं

श्री बाईजूराज महारानी जी के मंदिर में अन्तर्धान की तिथि वैशाख शुक्ल अष्टमी पर गर्मी के बावजूद भी सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर सदियों पुरानी परम्परा का निर्वहन करते हुए पाठ-पूजन कर धर्मलाभ लिया। आज के दिन अधिकांश श्रद्धालु सफेद कलर के वस्त्र पहनकर मंदिर आते हैं वही बाईजू राज महारानी का श्रृंगार सफेद पोशाक से किया जाता है। शक्कर व काली मिर्च श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित की जाती है मंदिर में प्रसाद के रूप में बटने वाले शरबत में सभी श्रद्धालुओं का योगदान रहता है। आज जितने भी श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं वह अपने साथ शक्कर व कालीमिर्च लेकर जाते हैं और श्री श्यामाजी के सामने अर्पित कर लगभग 400 वर्ष पुरानी इस परम्परा में अपना सहयोग देते हैं। आज के दिन मंदिर में लगभग एक से दो क्विंटल शक्कर का शरबत बनता है, जो मंदिर प्रांगण में स्थित कुएं के स्वच्छ जल से बनाया जाता है, जिसमे काली मिर्च पीसकर डाली जाती है तो उसका स्वाद लाजवाब हो जाता है। वर्ष में एक बार श्री बाईजूराज मंदिर में बंटने वाले इस शरबत में इतना स्वाद होता है कि श्रद्धालु भी जी भरके शरबत पीते हैं।

मारपीट के आरोपी को 6 माह का कारावास एवं जुर्माना

पन्ना। कार्यालय जिला लोक अभियोजन अधिकारी पन्ना के सहा. मीडिया प्रभारी/सहा.जि.लोक अभि.अधि. रोहित गुप्ता के बताये अनुसार घटना संक्षेप में इस प्रकार है कि परिवादिया के इन्द्रपुरी कॉलोनी पन्ना में एयरटेल टॉवर के पास 15 गुणित 20 वर्गफीट अर्थात 300 वर्गफीट का आवासीय पट्टा राजीव गांधी आश्रय योजना के नाम पर वर्ष 1998 में प्रदान किया गया था, जिस पर वह कच्चा घर तथा शेष भूमि पर पत्थर की खकरी बनाकर रह रही है। परिवादिया कुम्हार जाति की होकर मध्यप्रदेश राज्य के पन्ना जिले में अनुसूचित जाति वर्ग में आती है। दिनांक 23.01.2019 को सुबह 08:00-08:30 बजे उसके मोहल्ले का आरोपी राजाभैया तिवारी अपने 10-15 साथियों के साथ जिनमें कुछ मजदूर भी थे, हाथ में लाठी, डण्डा, हॉकी, गैती, सब्बल लेकर आया और उसके मकान की खकरी को गिराने लगा। मना करने पर परिवादिया तथा उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। आरोपी द्वारा परिवादिया को मां-बहन की गंदी वाली कुम्हरिया कहकर जातिगत भावना से बुरी-बुरी गालियां भी दी गयीं तथा देखते ही देखते उसकी खकरी को गिराकर बलपूर्वक आवेदिका के निवास पर कब्जा करने की नीयत से ईंट, बालू डलवा दिया तथा दरवाजे पर नींव खोद डाली। विरोध करने पर परिवादिया को आरोपी राजाभैया ने पटक दिया तथा उसके पति शिवगोपाल की भी लात घूसों से मारपीट कर सब्बल लेकर मारने दौड़ा, ट्रेक्टर चढ़ाने का प्रयास किया। उक्त घटना की सूचना परिवादिया द्वारा 100 डॉयल पुलिस को दी, जिसने उन्हें घर से बाहर निकाला और आरोपी को काम रोकने की समझाईश देकर वापस किया। परिवादिया की रिपोर्ट पर से अभियुक्त के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान साक्षीगण के कथन लेखबद्ध किये गये। सम्पूर्ण विवेचना उपरांत अभियुक्त के विरूद्ध अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। माननीय विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट जिला पन्ना के न्यायालय मे शासन की ओर से पैरवी करते हुए श्री संदीप कुमार पाण्डेय, जिला लोक अभियोजन अधिकारी द्वारा दौरान विचारण अभियोजन के साक्ष्य को क्रमबद्ध तरीके से लिपिबद्ध कराकर न्यायालय के समक्ष आरोपी के विरूद्ध आरोप को संदेह से परे प्रमाणित किया तथा आरोपी का कृत्य गंभीरतम होने के कारण उन्हे कठोर से कठोरतम सजा दिये जाने का अनुरोध किया। अभिलेख पर आई साक्ष्य और अभियोजन के तर्को एवं न्यायिक दृष्टांतो से संतुष्ट होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी- राजाभैया तिवारी उर्फ राजा तिवारी, आयु 35 वर्ष, निवासी ग्राम कटरा, हाल निवासी इन्द्रपुरी कॉलोनी पन्ना को धारा 3(1)(ध) में 06 माह का सश्रम कारावास एवं 1000 रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टर कक्ष में पुर्नगठित जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इस मौके पर पन्ना नगर सहित जिले के विभिन्न स्थानों पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था सुगम बनाने सहित दुकानों के सामने अवैध कब्जा व अतिक्रमण हटाने और सड़कों की मरम्मत इत्यादि के संबंध में आवश्यक चर्चा की गई। उपस्थित बस ऑनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों एवं समिति सदस्यों से जरूरी सुझाव भी प्राप्त किए गए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक सांई कृष्ण एस थोटा, आरटीओ विक्रमजीत सिंह कंग, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग बी.के. त्रिपाठी, यातायात प्रभारी नीलम लक्षकार, सीएमओ शशिकपूर गढ़पाले, एसोसिएशन के सचिव हरीश सुखेजा भी उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए। गत तीन वर्ष में घटित सड़क दुर्घटनाओं के आधार पर चिन्हित 8 ब्लैक स्पॉट पर साइनेज बोर्ड लगवाने, पेड़ों की छंटाई, गति सीमा संकेतक बोर्ड एवं रम्बल स्ट्रिप इत्यादि लगवाने के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा की दृष्टि से संबंधित विभाग के अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार आवश्यक उपायों को लागू करने तथा जनजागरूकता गतिविधियों के लिए निर्देशित किया गया। निरंतर वाहन चेकिंग अभियान संचालित करने सहित अभियान चलाकर आवारा गौवंश की गौशाला में शिफ्टिंग, बैंकों के बाहर अव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था ठीक करने, शहर के प्रमुख चौराहों व मुख्य मार्गों पर गति अवरोधक लगवाने सहित बड़ा बाजार में पार्किंग के लिए स्थल चिन्हांकन के निर्देश दिए गए। सीएमओ एवं यातायात प्रभारी द्वारा समन्वय कर बेहतर आवागमन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए तथा संयुक्त अभियान चलाकर शहर के प्रमुख स्थानों पर यातायात व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने सीएमओ को प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर लापरवाही पाए जाने पर दुकान स्थापना अधिनियम के तहत नोटिस जारी करने के लिए कहा। बैठक में बृजपुर-पहाड़ीखेरा मार्ग पर चलने वाली बसों को बायपास रोड से संचालित करने तथा बसों के लिए विभिन्न स्थानों पर बस प्वाइंट निर्धारण के संबंध में भी चर्चा हुई।

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार पिकअप ट्राला से टकराई, ड्राईवर की मौत

छतरपुर। बड़ामलहरा थाना अंतर्गत हीरापुर के काया रिसोर्ट के पास बीती शाम एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ट्राला में भिड़ गयी जिससे पिकअप चला रहे ड्राईवर की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसमें बैठे दो लोग घायल हुए हैं।जानकारी के अनुसार बड़ामलहरा से करीब 17-18 किमी दूर काया रिसोर्ट के पास शाम करीब 5-6 बजे तेज रफ्तार पिकअप वाहन ट्रेक्टर लेकर साईड में खड़े ट्राला में पीछे से भिड़ गई। इस दुर्घटना में पिकअप चला रहे दानिश पिता हनीफ खान की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य लोगों को मामूली चोटें आयी हैं। बताया जा रहा है कि उक्त पिकअप बड़ामलहरा से जवालपुर मुर्गा लेने जा रही थी।

आईपीएल का सट्टा खिलाने वाले एजेंट सहित 2 आरोपियों को पकड़ा

छतरपुर। पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देश पर विगत रात्रि गस्त के दौरान रात्रि करीब एक बजे पुलिस को सूचना प्राप्त हुई की गुरैया रोड पर श्रीराम कॉलोनी में वेयरहाउस के पीछे लड़के क्रिकेट मैच में पैसे लगाकर सट्टा खेल रहे हैं। थाना प्रभारी सिविल लाइन निरीक्षक वाल्मीकि चौबे एवं पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों युवकों को अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ पर अभियुक्तों द्वारा आईपीएल मैच में हार जीत का ऑनलाइन सट्टा लगाने की बात स्वीकार की गई है। दोनों आरोपियों प्रीतम आदिवासी नि. श्रीराम कालोनी छतरपुर, रिषभ रजक नि. राजनंदनीपुरम छतरपुर को मोबाईल फोन द्वारा आनलाईन सट्टा खेलते हुये पकड़ा गया। तलाशी लेने पर मोबाईल में ऑनलाईन सट्टा की आईडी पर आईपीएल के मैचों पर हार-जीत का दांव लगाते पाया गया। आरोपी के कब्जे से 1200 रुपये नगद, 2 एंड्राइड मोबाइल जब्त किए गए हैं। पूछताछ पर यह पता चला की आरोपी ऋषभ द्वारा आईडी वितरण भी की जाती थी। दोनों अभियुक्त के विरुद्ध नामजद अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई।

गुणवत्ताहीन मैटेरियल के उपयोग से कार्य पूर्ण होने से पहले ही जगह जगह से हो रही क्षतिग्रस्त

अटल भूजल योजना के तहत 73.60 लाख राशि से हो रहा नहर लाइनिंग निर्माण कार्य

नौगांव। जल संसाधन विभाग द्वारा नौगांव क्षेत्र के मड़रका गांव में स्थित तालाब से निकली कच्ची नहर को पक्की करने के निर्माण कार्य में अनियमितता सामने आ रही हैं। अधिकारियों की मिलीभगत से ठेकेदार गुणवत्ताहीन मैटेरियल से निर्माण कार्य को निपटाने में जुटा है, जिसके चलते नहर निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही नहर जगह जगह से ध्वस्त होकर क्षतिग्रस्त हो रही है। जिससे 73 लाख रुपए खर्च कर किसानों को समृद्ध बनाने की शासन की योजना का लाभ किसानों को नहीं मिल सकेगा।

गुणवत्ताहीन निर्माण होने से जगह-जगह से धंसने दरार पड़ने की शिकायत ग्रामीणों ने की है। जल संसाधन विभाग द्वारा रीवा के ठेकेदार मेसर्स अरुण प्रताप सिंह के द्वारा कराए जा रहे नहर निर्माण कार्य के पूरा होने से पहले ही जगह जगह से उखड़ने, नहर में दरार पड़ने और टूटने, फूटने के बाद अब नहर निर्माण कार्य की पोल खुल रही है। अभी नहर चालू नहीं हुई है तब जगह से उखड़ रही है तो चालू होने के बाद क्या हाल होगा। नौगांव क्षेत्र के मड़रका गांव के तलाब से निकली कच्ची नहर को जल संसाधन विभाग द्वारा अटल भूजल योजना के तहत 73 लाख 60 हजार राशि से नहर पक्की कराने का निर्माण कार्य चल रहा है। मड़रका तालाब से निकली नहर पर विभाग द्वारा 2.5 किमी लंबी एवं झींझन गांव से 900 मीटर दाएं एवं बाएं कच्ची से पक्की नहर का निर्माण कार्य कराया जा रहा है,इससे क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए बेहतर सुविधा मिल सके । लेकिन निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा लगा रहे घटिया निर्माण सामग्री से किसानों को बेहतर सुविधा की जगह दुविधा हो सकती है तथा उन्हें काफी परेशानी का सामना भी करना पड़ सकता है। घटिया निर्माण सामग्री तथा गुणवत्ताहीन कार्य होने से नहर तथा माइनर का कार्य पूर्ण भी नहीं हुआ है और अभी से मड़रका तालाब की नहर तथा माइनर में जगह-जगह दरारें आ चुकी है। तो निर्माण कार्य के पूरा होने से पहले ही जगह जगह से उखड़ने, नहर में दरार पड़ने और टूटने, फूटने का मामला सामने आ रहा है। जिससे नहर सप्लाई के दौरान पानी का रिसाव होने से किसानों की फसल खराब हो सकती है। मड़रका गांव के देवीदीन पटेल, भरत पटेल, पुष्पेंद्र पटेल सहित एक दर्जन से अधिक किसानों ने बताया कि क्षेत्र में नहर तथा माईनर कई जगहों से दरक गया है तथा नीचे से भी जमीन में धंस गया है जिससे माइनरों का पानी आगे नहीं बढ़ेगा वहीं दरारों में होकर पानी व्यर्थ ही खेतों में जाएगा जिससे फसलें खराब होने की आशंका रहेगी।क्षेत्र के किसानों ने सम्बन्धित विभाग के उच्च अधिकारियों से निर्माण कार्य ठीक प्रकार से करवाने की मांग की है। वही जहां पर नहर तथा माइनरों में दरारें आई है उनकी भी ठीक प्रकार से मरम्मत करवाने की मांग की है। ठेकेदार द्वारा किए जा रहे नहर तथा माइनर के निर्माण कार्य को देख रहे जल संसाधन विभाग के उपयंत्री का कहना है कि अभी निर्माण कार्य चल रहा है, निर्माण कार्य पूरा होने के बाद अधिकारी निरीक्षण करेंगे इसके बाद ही भुगतान होगा।

इनका कहना है -

निरीक्षण कर निर्माण कार्य के संबंध में जांच कराएंगे, जांच के बाद जैसी रिपोर्ट आयेगी वैसी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आशीष महाजन
ईई, जल संसाधन विभाग, संभाग छतरपुर

शहर में अब नहीं रहेंगे ट्रैफिक सिग्नल, शहर के चौराहों पर बगैर सिग्नल के दौड़ेंगे सभी वाहन

छतरपुर। जिला मुख्यालय छतरपुर में यातायात के बढ़ते दबाव के मद्देनजर सुरक्षित आवागमन के लिए करीब 10 साल पहले आकाशवाणी तिराहा, छत्रसाल चौक और पन्ना नाका पर लगाए गए ट्रैफिक सिग्नल अब नहीं रहेंगे। जिस कंपनी ने बगैर कोई रकम लिए लाखों के ये सिग्नल निःशुल्क लगाए थे वह इन्हें जिला प्रशासन के असहयोग के चलते निकालने जा रही है।

छतरपुर रेंज के तत्कालीन डीआईजी केसी जैन ने 1 नवंबर 2014 को अपने पत्र क्रमांक उमनि/छतर/साशा/बी / 2027/14 द्वारा तत्कालीन पुलिस अधीक्षक को शहर में चौराहों पर ट्राफिक सिग्नल, बस स्टाप, ट्राफिक पुलिस बूथ इत्यादि की व्यवस्था के संबंध में राघव एडवरटाईजिंग रायपुर के प्रतिनिधि से चर्चा कर सहयोग लेने को कहा था। ताकि इन प्रयासों से यातायात व्यवस्था में सुधार हो और दुर्घटनाओं से बचा जा सके। राघव एडवरटाईजिंग रायपुर के प्रतिनिधि मनोज शर्मा से चर्चा के बाद एसपी ने ट्रैफिक सिग्नल और बस स्टॉप लगाने को अपनी स्वीकृति दे दी थी। एसपी की मंजूरी के बाद नगर पालिका छतरपुर के सीएमओ ने 24 दिसंबर 2014 को अपने पत्र क्रमांक 4028/राशा/नपाछ/2014 द्वारा छतरपुर शहर के प्रमुख चौराहों पर ट्राफिक सिंग्नल, साइन वोर्ड बूथ लगाने बावत अनापत्ति प्रमाण-पत्र दे दिया था। पत्र में सीएमओ ने छतरपुर शहर मे सुगम एवं व्यवस्थित यातायात संचालन हेतु नगर के फब्बारा चौक, आकाशवाणी तिराहा, छत्रसाल चौक, पन्ना नाका, बिजावर नाका, जोगिन्द पेट्रोल पंप एवं महोबा रोड इत्यादि जगहों पर ट्राफिक सिग्नल, साइन बोर्ड, ट्राफिक पुलिस बूथ लगाने के लिए दी एनओसी में कहा था कि शहर में सुगम एव व्यवस्थित यातायात संचालन हेतु यातायात प्रभारी के निर्देशन मे ट्राफिक सिग्नल, साइन वोर्ड एवं ट्राफिक पुलिस बूथ राघव एडवरटाईजिंग रायपुर द्वारा अपने स्वयं के व्यय तथा जोखिम पर लगाये जाते हैं तो इस निकाय को कोई आपत्ति नही है।

पुलिस अधीक्षक की मंजूरी और सीएमओ की एनओसी के बाद कंपनी ने ट्रैफिक सिग्नल तथा बस स्टॉप विभिन्न जगह अपनी राशि से लगवा दिए थे। इतना ही नहीं इनका मेंटीनेंस भी कंपनी अपने खर्चे से खुद करती आ रही थी। कंपनी का खर्च सिग्नल के ऊपर लगे साइन बोर्ड से निकल रहा था।

क्या कहते हैं कंपनी के डायरेक्टर -

राघव एडवरटाईजिंग रायपुर के डायरेक्टर रितेश अग्रवाल ने बताया कि ट्रैफिक सिग्नल के ऊपर लगे साइन बोर्ड पर लगे हमारे विज्ञापनों को हटवा कर शासकीय योजनाओं के विज्ञापन लगवा दिए गए। विज्ञापनदाताओं ने इसकी शिकायत की तब उन्होंने छतरपुर आकर नगर पालिका सीएमओ से इस बारे में चर्चा की। सीएमओ ने इसे कलेक्टर के आदेश पर की गई कार्रवाई बताया। तब श्री अग्रवाल ने कलेक्टर संदीप जीआर से मुलाकात कर उन्हें पूरी जानकारी दी। लेकिन कलेक्टर ने ट्रैफिक सिग्नल के ऊपर लगे साइन बोर्ड पर कंपनी को विज्ञापन लगाने की सहमति नहीं दी। इसलिए उन्होंने 15 मई को नगर पालिका सीएमओ और यातायात पुलिस के प्रभारी को एक सूचना पत्र देकर नगर पालिका क्षेत्र में लगे ट्रेफिक सिग्नल को निकालने की जानकारी दे दी है।

20 लाख में लगा था एक सिग्नल -

श्री अग्रवाल ने बताया कि 2014 में एक ट्रैफिक सिग्नल लगाने पर करीब 20 लाख रुपए का खर्च आया था। उन्होंने शहर में छत्रसाल चौक, पन्ना नाका और आकाशवाणी तिराहे पर तीन ट्रैफिक सिग्नल लगाकर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने में सहयोग किया था। शुरू से हम ही इन सिग्नलों का मेंटीनेंस भी करते आ रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस और नगर पालिका ने उन्हे एक रुपया भी नहीं दिया। हमारा खर्च सिग्नल के ऊपर लगे साइन बोर्ड से निकल रहा था। लेकिन जब कलेक्टर ने साइन बोर्ड से हमारे विज्ञापन ही हटवा दिए तो हम लाखों की लागत से लगे अपने ट्रैफिक सिग्नल भी निकालने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अनेक जिलों में उन्होंने ट्रैफिक सिग्नल निशुल्क लगवाए हैं जो उन शहरों की यातायात व्यवस्था को सुचारू बना रहे हैं। छतरपुर के ट्रैफिक सिग्नल उन्हें मजबूरी में निकालना पड़ रहे हैं।

सी.एम.राइज स्कूल के समर कैम्प का समारोहपूर्वक हुआ समापन

नौगांव। शहर के सीएम राइज स्कूल में पिछले 15 दिनों से चल रहे समर कैंप का बुधवार को समारोह पूर्वक कार्यक्रम का आयोजन कर समापन किया गया। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नौगांव आर्मी कैंट के जेसीओ विक्रम सिंह, जनभागीदारी अध्यक्ष हरगोविंद गुप्ता, संकुल प्राचार्य एमपी अहिरवार शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्व प्रथम मां सरस्वती के पूजन अर्चन व सरस्वती वंदना से हुआ। तत्पश्चात अतिथिओं का स्वागत किया गया। उसके बाद बच्चों द्वारा समर कैम्प के दौरान सीखी गई कलाओं के प्रस्तुतीकरण ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्था के प्राचार्य आरके पाठक द्वारा समर कैम्प में आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियॉ जैसे- ड्राइंग पेंटिंग, इन्डोर गेम, गायन व वादन पर प्रकाश डालते हुये उनके महत्व को समझाया। सत्र 2023-24 में संस्था में कक्षा वारहवी में प्रथम तीन स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं में धुव यादव, पारूल शर्मा, नैन्सी पाल तथा कक्षा दसवीं की परीक्षा में प्रथम तीन स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं में मनीषा यादव, अंजली तिवारी, अंषिका साहू, अर्थजा परमार, हर्ष पटसारिया, एवं अनुकल्प सक्सेना को मुख्य अतिथियों द्वारा मैडल पहनाकर व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आर्मी ऑफिसर विक्रम सिंह जेसीओ के द्वारा बेहतर परीक्षा परिणाम व शानदार प्रस्तुतियों की सराहना की गई और बच्चों को शारीरिक फिटनेश बनायें रखने के टिप्स दिए।

बोरिंग मशीन पर काम करने वाले युवक को लगा करेंट, मौत

छतरपुर। बोरिंग मशीन पर काम करने वाले एक युवक को करेंट लगने से उसकी मौत का मामला सामने आया है। उक्त युवक बोरिंग मशीन पर मजदूरी करता था और वह ईशानगर में बोरिंग करने के बाद मशीन के साथ छतरपुर लौट रहा था। जानकारी के अनुसार बमनी थाना कुमाहरी का रहने वाला संजय आदिवासी उम्र 30 वर्ष छतरपुर के रामगोपाल यादव की बोरिंग मशीन पर मजदूरी करता था। उसी मशीन पर कार्य करने वाले छोटू ठाकुर ने बताया कि वे लोग ईशानगर साईट पर बोरिंग करने के बाद सुबह करीब 11 बजे वापस लौट रहे थे तभी अचानक कोई तार टूटकर बोरिंग मशीन से टच हो गया। चूंकि संजय ने खड़ी मशीन को छू लिया और वह करेंट की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौत हो गयी। मृतक युवक संजय आदिवासी का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम किया जा रहा है।

एमआरपी के नियंत्रण के लिए होगा राष्ट्रव्यापी आंदोलन

छतरपुर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत 1974 से कार्यरत देशव्यापी संगठन है, जो उपभोक्ताओं को ग्राहक जागरूकता अधिकारों की शिक्षा एवं ग्राहकों की शिकायतों के लिए मार्गदर्शन करने वाला एक स्वयंसेवी संगठन है। गंभीर विचार विमर्श के बाद अब हम पैकेज्ड वस्तुओं पर एमआरपी की छपाई तय करने के लिए कानून और नियामक आदेश लाने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव डालने के लिए एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने की योजना बना रहे हैं। ए.बी.जी.पी. उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा और संवर्धन में शामिल अग्रणी संगठन है। सरकार ने 1990 में लीगल मेट्रोलॉजी विधान के तहत अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पेश किया। खुदरा बिक्री के लिए रखे जाने वाले उत्पाद की पैकेजिंग पर एम.आर.पी. की छपाई अनिवार्य कर दी गई। खुदरा विक्रेता निश्चित रूप से एमआरपी से कम पर उत्पाद बेच सकता है लेकिन एमआरपी से अधिक कीमत पर उत्पाद बेचना अपराध है। विडंबना यह है कि एम.आर.पी. कैसे तय की जानी चाहिए, इस बारे में किसी भी दिशा-निर्देश पर कानून चुप है।

आज निर्माता मनमाने ढंग से एमआरपी तय करते हैं। एमआरपी अपारदर्शी है और उपभोक्ता को एमआरपी की संरचना के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हमें ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं जहां उपभोक्ता ऐसी कीमत चुकाता है जिसका उत्पाद की योग्यता से कोई संबंध नहीं होता। उपभोक्ता प्रतिनिधि के रूप में हम मांग करते हैं कि एमआरपी संरचना निष्पक्ष पारदर्शी और आसानी से समझी जाने वाली होनी चाहिए। चूँकि किसी उत्पाद की एमआरपी अनुचित राशि पर निर्धारित की जाती है।

एम.आर.पी. तय करने में सरकार की कोई भूमिका नहीं होती इसलिए खासकर दवाइयों के मामले में उपभोक्ताओं को जबरदस्त लूटा जाता है। उपभोक्ता न तो चुनने के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकता है और न ही लूट के बारे में जागरूक हो सकता है।

ए.बी.जी.पी. पूरे देश में एमआरपी का मुद्दा क्यों उठा रहा है? -

लगभग 140 करोड़ उपभोक्ताओं की ओर से ए.बी.जी.पी. ने केंद्र सरकार से उत्पाद की लागत (सीओपी), उत्पाद की पहली बिक्री मूल्य (एफएसपी) और एमआरपी के संबंध में एमआरपी को कॉनफिग़र करके सभी उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने वाला कदम उठाने का अनुरोध किया है।

एम.आर.पी. की संरचना तैयार करने और उस पर अमल करने में समय लग सकता है। इस बीच सरकार पैक्ड उत्पादों पर एम.आर.पी के साथ एफ.एस.पी. (फस्ट्र सेल्स प्राइज) भी छापने का आदेश दे सकती है। उपभोक्ता जब खरीदारी करता है तो वह तर्कसंगत विकल्प चुन सकता है यदि उसे एफ.एस.पी. के बारे में जानकारी हो। एफ.एस.पी को लागू करने से निर्माताओं और आयातकों पर अत्यधिक लागत नहीं आती है एवं उपभोक्ताओं को वास्तविक लाभ होगा। यह उपभोक्ता की पसंद के अधिकार का समर्थन करेगा।

ए.बी.जी.पी. ने इस मुद्दे को उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय, वित्त मंत्रालय के साथ उठाया है। एबीजीपी ने इस मुद्दे का अध्ययन करने और संसद के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए एक मसौदा विधेयक तैयार करने के लिए संसद सदस्यों को भी एक पत्र लिखा है।

सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी करने वाले पटवारी और ट्रेसर को 5 साल की सजा

छत्तरपुर। महेबा के पूर्व पटवारी ने पहले अपने बेटे के नाम पर हलका में जमीन खरीदी, उसके बाद भू अभिलेख विभाग में पदस्थ ट्रेसर की मिलीभगत से उक्त जमीन को हाइवे पर दर्ज करवा दिया। वहीं जिसकी जमीन हाइवे पर थी, उसे पीछे कर दिया। बेटे को फायदा पहुंचाने के लिए सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी के इस मामले में अदालत ने आरोपी पटवारी भानु प्रताप चौबे और नक्शा ट्रेसर राकेश जैन को 5 साल के सश्रम कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार जैन ने आरोपी पटवारी और नक्शा ट्रेसर की मिलीभगत से निजी लाभ के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार जाने के खिलाफ प्रस्तुत किए के परिवाद पत्र पर यह फैसला सुनाया है। अदालत ने आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

ये है मामला -

यह मामला आवेदक विजयंत अग्रवाल एवं उनकी माता अग्रवाल के द्वारा सीजेएम पेश किया गया था। परिवाद स्नेही कोर्ट में पत्र में आरोप है कि महेबा तहसील की पैतृक जमीन की उसकी माता भूमि स्वामी है। यह जमीन छतरपुर-नौगांव राष्ट्रीय राजमार्ग 75 से लगी होने के कारण पटवारी ने बेटे को लाभ पहुंचाने के लिए नक्शा ट्रेसर के माध्यम से रिकॉर्ड में हेराफेरी कर हड़पने का प्रयास किया था। इसके लिए आरोपी भानु प्रताप चौबे महेबा के पटवारी के पद पर पदस्थ थे और उसने पुत्र अजय के नाम आसपास की जमीन को क्रय उसे एनएच की तरफ नक्शे में प्रदर्शित कर दिया था। आवेदक ने कूट रचित मानचित्र की जानकारी मिलने पर आयुक्त भू-अभिलेख एवं कलेक्टर के समक्ष नक्शा ट्रेसर की शिकायत की थी। कलेक्टर भानु चौबे के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करने एवं कूट रचित, फर्जी मानचित्र को सही कर नवीन मानचित्र तैयार करने तथा खसरा क. 2985/4 को पुनः छतरपुर नौगांव मार्ग के किनारे नक्शे में अंकित करने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ परिवाद पत्र पर सीजेएम कोर्ट ने पुलिस एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे। इस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर वाद विवेचना आरोप-पत्र न्यायालय में पेश किया। अदालत ने मामले पर फैसला सुनाते हुए आरोपीगण भानु प्रताप चौबे पिता लखन लाल चौबे निवासी नौगांव और राकेश कुमार जैन पिता हेमचंद्र जैन महावीर कॉलोनी पन्ना नाका भादवि की धारा 420, 467, 468, के आरोप में पांच साल के सश्रम कारावास और 3800 रुपए के जुर्माने से दंडित किया है।

मरीज के पास समय से पहुंचे एम्बुलेंसः कलेक्टर

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. की अध्यक्षता में बुधवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, सहायक कलेक्टर कॉजोल सिंह, सीएमएचओ, सिविल सर्जन, बीएमओ सहित संबंधित सदस्य डॉ. उपस्थित रहे। साथ ही बैठक में आशा एवं स्टाफ नर्स भी उपस्थित रहीं।

कलेक्टर श्री जी.आर. ने स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि अस्पताल एवं मरीजों के डाटा का डिजिटलाइजेशन मैनेजमेंट सिस्टम में और सुधार करें। साथ ही आने वाले प्रत्येक मरीज का उपचार आयुष्मान में दर्ज करते हुए करें। उन्होंने कहा जिला अस्पताल में होने अल्ट्रासाउण्ड स्कैनिंग के समय को परिवर्तित कर प्रातः 7 से शाम 7 बजे तक किया जाए। इसके अलावा मेटरनिटी वार्ड के मरीजों की अल्ट्रासाउण्ड ऊपरी मंजिल पर ही हो। उन्होंने कहा बड़ामलहरा में अल्ट्रासाउण्ड स्कैनिंग सुचारू रूप से की जा रही है इस कार्य का दीवार लेखन के माध्यम से प्रचार प्रसार कराएं। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि एम्बुलेंस एवं जननी सुरक्षा वाहनों की मॉनिटरिंग पूरी बारीकी से हो, जीपीएस के माध्यम से वाहनों की लोकेशन को जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से ट्रैकिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा समयानुसार एम्बुलेंस मरीज के पास पहुंचे जिसके लिए वाहनों के खड़े होने के स्थान में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जाए। साथ ही डॉक्टर्स एवं अन्य स्टाप की सुरक्षात्मक दृष्टि से जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों की मॉनिटरिंग सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से जिले स्तर पर करने के निर्देश दिए।

प्रत्येक गर्भवती महिलाओं की प्रथम एएनसी जांच के निर्देश -

कलेक्टर जी.आर. ने एएनएम को अनमोल पोर्टल में गर्भवती महिलाओं की प्रथम एएनसी जांच की जानकारी सही ढंग से भरने के निर्देश दिए। ताकि महिलाओं को मिलने वाली राशि समय से प्राप्त हो सके। जिन महिलाओं की प्रथम एएनसी नहीं हुई है उनका सर्वे करें और कारण का पता लगाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

स्वास्थ्य केन्द्रों पर समतुल्य स्टॉफ पोस्टेड करेंकलेक्टर ने सीएमएचओ को डॉक्टर्स के छुट्टियों को कैंसिल करने के निर्देश देते हुए कहा कि जो मेडिकल पर है। उनके लिए मेडिकल बोर्ड बैठाएं। उन्होंने कहा जिन स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्टॉफ ज्यादा है और जहां कम है, आंकलन करें और समतुल्य स्टॉफ रेण्डमली पोस्टेड करें।

कलेक्टर श्री जी.आर. ने कुर्राहा एवं सीलोन डिलेवरी प्वाइंट पर डिलेवरी नहीं होने पर बीएमओ के खिलाफ निलंबन की कार्यवाही कराने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा किसी भी ब्लॉक में होम डिलेवरी नहीं हो, इसकी मॉनिटरिंग करें और समय पर एम्बुलेंस पहुंचे।

कलेक्टर ने कहा बक्सवाहा के बम्होरी स्वास्थ्य केन्द्र पर एएनएम को महीने में 30 डिलेवरी करने पर कैश अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही जिन ग्रामों या वार्ड में शतप्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे तो उन्हें भी कैश अवार्ड दिया जाएगा।कलेक्टर ने निर्देश दिए कि लोकसेवा केन्द्रों एवं सीएससी के माध्यम से जिले के लोगों की आभा आईडी बनवाएं। जिससे मरीजों की हेल्थ संबंधित पूरी डिटेल भरी जा सके। इस कार्य के लिए नोडल अधिकारी के नियुक्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक बीएमओ 100-100 लोगों आभा आईडी बनवाकर हेल्थ संबंधित जानकारी भरवाएं और कार्य को मॉनिटर करें। कलेक्टर ने कहा एनआरसी में बच्चों की भर्ती संख्या शतप्रतिशित रहे। इस संबंध में स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री जी.आर. ने रेफर होने वाले केस की बारीकी से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा नॉर्मल केस रैफर न किए जाएं। उन्होंने कहा डॉक्टर अपनी भूमिका को समझे और मरीज के उपचार में अपने स्तर से कोई भी गलती न होने दें। उन्होंने कहा हमेशा यही प्रयास रहे की मृत्यु दर शून्य हो।

खबर संक्षेप

कृषि उत्पादन आयुक्त आज करेंगे खरीफ फसल तैयारी की समीक्षा

रीवा। खरीफ फसल तैयारी की संभागीय समीक्षा बैठक 16 मई को कलेक्ट्रेट सभागार रीवा में आयोजित की जा रही है। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त खरीफ फसल तैयारी की जिलेवार समीक्षा करेंगे। बैठक में रबी फसल कार्यक्रम की प्रगति, कृषि की प्रगति के लिए कार्ययोजना निर्माण तथा कृषि विविधीकरण के प्रयासों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक कृषि विभाग तथा सहकारिता विभाग की योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। बैठक में भोजन अवकाश के बाद शाम 6 बजे तक उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन, डेयरी विकास, मछली पालन विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों की समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय में बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

अपर मुख्य सचिव 17 मई को संभागीय समीक्षा बैठक लेंगे

रीवा। अपर मुख्य सचिव वन जे.एन. कंसोटिया की अध्यक्षता में आगामी 17 मई को प्रातः 11 बजे से कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में संभागीय बैठक आयोजित की गई है। बैठक में अपर मुख्य सचिव पूर्व में आयोजित समीक्षा बैठकों के कार्यवाही बिन्दुओं के पालन प्रतिवेदन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करेंगे। कमिश्नर रीवा संभाग गोपाल चन्द्र डाड ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यवाही बिन्दुओं से संबंधित प्रगति की जानकारी 16 मई तक प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत दो घायल

मऊगंज। जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र के खडुई नाले के समीप दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो जाने से एक बाइक चालक सहित बाइक में बैठी महिला को चोटे आई है। जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी में कराया गया भर्ती। मिली जानकारी के अनुसार राबेंद्र कोल पिता प्यारेलाल कोल उम्र 18 वर्ष निवासी रामपुर अपनी मां को बाईक में बैठाकर मऊगंज जा रहे थे। खडुई नाले के पास विपरीत दिशा से आ रही बाइक से आमने-सामने भिड़ंत हो जाने से बाइक चालक राबेंद्र कोल पिता प्यारेलाल कोल उम्र 18 वर्ष एवं उनकी मां सुशीला कोल पति प्यारेलाल कोल उम्र 46 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी में उपचार हेतु भर्ती कराया गया जहां उपचार जारी है।

बोर्ड परीक्षा में सिरमौर के छात्रों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

रीवा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा कक्षा दसवीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया इसमें जवाहर नवोदय विद्यालय, सिरमौर का परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय के प्राचार्य मनीष कुमार तिवारी तथा उप प्राचार्य अजय कुमार सिंह सहित समस्त स्टाफ ने छात्र-छात्राओं को बधाई दी। उल्लेखनीय है कि 12वीं का परीक्षा में 80 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया जिसका परिणाम शत प्रतिशत रहा । 94 प्रतिशत अंक के साथ श्रेयस झा ने विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया इसी प्रकार 90.4 प्रतिशत अंक के साथ विकास गुप्ता ने द्वितीय तथा 90.4 प्रतिशत अंक के साथ सम्पदा द्विवेदी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । वाणिज्य वर्ग में अंचल पाण्डेय तो मानविकी में श्रेया त्रिपाठी विद्यालय की टापर रही हैं । 12वीं के विज्ञान वर्ग में कंप्यूटर साइंस का औसत परिणाम 85.72 प्रतिशत रहा। गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अर्थशास्त्र का परीक्षा परिणाम काफी उत्कृष्ट रहा है । अर्थशास्त्र का विषय औसत 74.3 प्रतिशत रहा। मानविकी वर्ग में भूगोल का विषय औसत 76.19 प्रतिशत रहा है। इसी क्रम में दसवीं कक्षा में कुल 79 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए तथा परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा । कक्षा दसवीं में 90 प्रतिशत छात्र-छात्राओं का प्राप्तांक 75 प्रतिशत से अधिक रहा । 95.2 प्रतिशत अंक के साथ कृतिका त्रिपाठी स्कूल में प्रथम ,94.6 प्रतिशत अंक के साथ सोनाक्षी द्विवेदी द्वितीय ,92.6 प्रतिशत अंक के साथ विशाल सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

जेनेटिक इंजीनियरिंग रिसर्च इनोवेशन और प्रोटीन उत्पादन एवं मेडिसिन के बारे में दी महत्वपूर्ण जानकारी

शहर में स्थित ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय में प्राणि शास्त्र और बायोटेक्नोलॉजी विभाग के सयुक्त तत्वाधान में विश्व बैंक परियोजना के अंतर्गत प्रदान किए गए लैब उपकरण जेल डोक्यूमेंटेशन सिस्टम पर आधारित वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

रीवा

आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप मे महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अर्पिता अवस्थी उपस्थित रही। इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में विषय विशेषज्ञ डॉ जितेंद्र त्रिपाठी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा की डीएनए आइसोलेशन तथा आर एफ एल पी मॉलिक्युलर बायोलॉजी से संबंधित जेनेटिक इंजीनियरिंग रिसर्च इनोवेशन और प्रोटीन उत्पादन एवं मेडिसिन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन प्राणी शास्त्र एवं बायोटेक विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अमित तिवारी के मार्गदर्शन में संपन्न कराया गया। इस कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डा रामयश साहू डा कल्पना त्रिपाठी डा अन्नू तिवारी डा परवीन बनो डा पारस मणि चतुर्वेदी डा निकिता मिश्र प्रो संध्या सिंह प्रो ललिता मिश्र डा अंबर शुक्ला प्रो ज्ञानेंद्र तिवारी डा विवेक यादव प्रो अंजली सिंह डा रश्मि पांडे डा श्रद्धा तिवारी वर्षा मिश्र डा सविता चक्रधारी प्रो सुधा मिश्र आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे कार्यक्रम का सफल आयोजन में अक्षैणिक स्टाफ से लैब टेक्नीशियन ऋषि द्विवेदी और शालिनी जैसवाल सहित छात्र उपस्थित रहे।

कायस्थ समाज ने की चित्रगुप्त भगवान की पूजा निकाली भव्य शोभायात्रा यात्रा

रीवा । जिले मे मंगलवार को तरहटी स्थित भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद भव्य शोभा यात्रा पूरे शहर में निकाली गई। कायस्थ समाज ने कुल देवता भगवान श्री चित्रगुप्ता जी का प्रकटोत्सव पूरे भक्तिभाव के साथ धूमधाम से मनाया। सुबह से ही कायस्थ समाज के लोगों ने अपने-अपने घरों में भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा का दुग्ध एवं पुस्तकों से अभिषेक किया गया। विभिन्न प्रकार के पकवान बनाए, उनका वितरण किया। जिले भर के समाज के लोग मानव में एकत्र होकर पूजा अर्चना करने के बाद भगवान की झांकी सहित निकल पड़े रीवा की सड़कों पर ढोल नगाड़ों के साथ समाज के सभी लोगों का उत्साह देखते ही बनता रहा । कायस्थ समाज के लोग भगवान चित्रगुप्त की शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत बंदन किया। भगवान श्री चित्रगुप्त की शोभायात्रा शहर के मानस भवन से शुरू हुई लोक प्रमुख मार्गों से होते हुए मानस भवन में समाप्त हुई। शोभायात्रा में कायस्थ समाज के काफी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान समाज के वरिष्ठ लोगों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का किया गया। डा. शैलबाला श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य तथा संत प्रसाद खरे के विशिष्ट आतिथ्य में भजन संध्या का भी आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा। इस अवसर परं मुख्य रूप से चित्रांश परिवार के अध्यक्ष शारदा प्रसाद श्रीवास्तव, संयोजक अशोक श्रीवास्तव कायस्थ महासभा, प्रो. एमपी श्रीवास्तव, विजय निगम, मनीष श्रीवास्तव, डा. दीपक कुलश्रेष्ठ, संजय निगम, संजीव श्रीवास्तव, एस पी निगम(गुड्डू),धर्मेन्द्र श्रीवास्तव, कल्पना श्रीवास्तव, सीमा श्रीवास्तव, वंदना श्रीवास्तव, आरसी खरे, राजेन्द्र श्रीवास्तव, राजेन्द्र निगम, सुनील निगम, राजेन्द्र श्रीवास्तव, एसके निगम, मनोज श्रीवास्तव, अशोक निगम, डा. एसके श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव, नीलेश श्रीवास्तव, मीरा श्रीवास्तव, सुनीता श्रीवास्तव शामिल रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना की तैयारियों की समीक्षा की

रीवा

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिये रीवा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-10 की मतगणना की तैयारियों की समीक्षा की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने शासकीय इंजीनियरिंग कालेज में मतगणना परिसर में बाहर व अंदर की जा रही मतगणना की तैयारियों के विषय में सबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने आवागमन के मार्गों, प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा, बैठक व्यवस्था, वैरिकेटिंग, मीडिया सेंटर सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिये कि 20 मई से 26 तक मतगणना स्थल में बाहर की सभी तैयारियों पूरी करें। लीज लाइन लगाने तथा मतगणना कक्षों सहित अन्य कक्षों में टेलिविजन तथा कैमरे लगाये जाने के निर्देश दिये तथा कहा कि सभी कैमरों की पूर्व से ट्रायल करा

लिया जाय। उन्होंने प्रवेश द्वारों में कैमरे लगाने के भी निर्देश दिये। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आयोग के दिशा निर्देशानुसार मतगणना 4 जून को की जायेगी। मतगणना कार्य से जुड़े सभी अधिकारी सौंपे गये दायित्व का निर्वहन करें। उन्होंने मतगणना संबंधी प्रशिक्षण दिये जाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि मतगणना दिवस में गर्मी रहेगी अतः पीने के ठण्डे पानी की पर्याप्त व्यवस्था रहे। उन्होंने मतगणना परिसर में स्वास्थ्य सुविधा के लिये एम्बुलेंस व डॉक्टर्स की टीम मुस्तैद रखने के लिये भी निर्देशित किया। इंजीनियरिंग कालेज में समीक्षा के दौरान आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इससे पूर्व जिला निर्वाचन ने मतगणना स्थल में स्ट्रांग रूम का जायजा लिया तथा सीसीटीव्ही कैमरों एवं एलईडी स्क्रीन की जांच की तथा सुरक्षा व्यवस्था मुस्तैद रखने के निर्देश दिये।

मतगणना की तैयारियाँ देख सकते हैं उम्मीदवार

लोकसभा निर्वाचन 2024 में रीवा संसदीय क्षेत्र में मतदान 26 अप्रैल को संपन्न हो चुका है। संसदीय क्षेत्र में शामिल सभी 8 विधानसभा क्षेत्रों की ईव्हीएम इंजीनियरिंग कालेज में बनाए गए विधानसभावार स्ट्रांग रूम में सुरक्षित हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना के लिए 4 जून की तिथि निर्धारित की गई है। इस दिन प्रातः 8 बजे से विधानसभावार अलग-अलग कक्षों में मतगणना आरंभ होगी। मतगणना के लिए इंजीनियरिंग कालेज में निर्धारित गणना कक्षों में आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले ने कहा है कि मतगणना के लिए विभिन्न विभाग आवश्यक प्रबंध 20 मई से आरंभ करेंगे। मतगणना के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की उम्मीदवार अथवा उनके प्रतिनिधि जायजा ले सकते हैं। अधिकृत व्यक्ति को वैध प्रवेश पत्र के साथ ही मतगणना स्थल में प्रवेश की अनुमति होगी।

गोविंदगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ चिकित्सक को दुष्कर्म के मामले में

न्यायालय ने सुनाया 10 वर्ष का कठोर कारावास

रीवा ।

शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म करने वाले चिकित्सक को न्यायालय ने दस साल की सजा सुनाई है। आरोपी डॉ. विकास पटेल के खिलाफ महिला थाना में दुष्कर्म का मामला पंजीबद्ध था। चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश पदमा जाटव के न्यायालय द्वारा फैसला सुनाते हुए आरोपी को 10 वर्ष का कठोर कारावास एवं एक लाख रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया गया है। वर्तमान में डॉक्टर विकास पटेल गोविंदगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ है। उक्त मामले की पैरवी अपर लोक अभियोजक विकास द्विवेदी द्वारा की गई। बताया गया कि मामला महिला थाना रीवा का है, पीड़िता ने महिला थाना में शिकायत की थी आरोपी डॉक्टर विकास पटेल शादी का झांसा देकर सन 2012 से लेकर 2020 तक दुष्कर्म किया। जब वह शादी करने के लिए बोलती थी तो वह शादी करने को बोलता था। पीड़िता ने बताया था

कि उसकी मुलाकात एवं जान पहचान भोपाल में एमबीबीएस प्रथम वर्ष की पढ़ाई के दौरान सन 2012 में हुई थी, जिसके बाद उसने अपना मोबाइल नंबर उसे दिया था, जिसके बाद उनके बीच बातचीत होने लगी। पीड़िता अपने मामा के यहां रतहरा में रहती थी और वहीं से पढ़ाई कर रही थी। इस बीच उसके साथ वहां कई बार शारीरिक संबंध बनाया गया साथ ही भोपाल में भी बुलाकर गलत काम किया गया था। जब आरोपी द्वारा शादी करने से मना कर दिया गया तब पीड़िता द्वारा उसके विरुद्ध महिला थाना रीवा में 25 नवंबर 2020 को शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर विवेचना उपरांत चालान न्यायालय में पेश किया था, जिसके बाद साक्ष्य और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया है।

सजा पड़ने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग ने नहीं की कार्रवाई

वर्तमान में डॉ विकास पटेल गोविंदगढ़ सामुदायिक से स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ हैं दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने 10 वर्ष का कठोर कारावास सुनाया है लेकिन रीवा स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभी तक डॉक्टर विकास पटेल पर कोई भी वैधानिक कार्रवाई नहीं किया है

इनका कहना है

हमें अभी कोई भी आधिकारिक जानकारी प्राप्त नहीं हुई है जानकारी होने के बाद ही हम कुछ कह पाएंगे।

सुधाकर पाण्डेय बीएमओ गोविंदगढ़
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

प्रदूषण की जांच करने एनजीटी प्रदेश स्तरीय गठित टीम पहुंची रीवा

रीवा। अवैध खनन और नियम विरूद्ध क्रेशरों का हो रहा संचालन और उससे स्थानीय स्तर पर पडने वाले दुष्प्रभाव की जांच करने बुधवार को भोपाल से 4 सदस्यीय टीम रीवा पहुंची । गौरतलब है कि अधिवक्ता अतुल जैन और बीके माला ने एनजीटी के समक्ष एक शिकायत दर्ज कराई थी। हुजूर तहसील अंतर्गत ग्राम बेला, बैजनाथ और सकरवट सहित आसपास के गांवों में संचालित स्टोन क्रेशरों का संचालन नियम विरूद्ध तरीके से किया जा रहा है। जिससे पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। साथ ही लोगों में प्रदूषण की वजह से बीमारी भी फैल रही है। जिस पर एनजीटी ने एक टीम गठित कर इस मामले की जांच के निर्देश जारी कर दिए। बुधवार को जो टीम रीवा पहुंची । मौके पर 13 स्टोन क्रेशर का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया। तथा मौके पर पर्यावरण राजस्व एवं खनिज लीज अभिलेखों का निरीक्षण जांच करके अपना प्रवृत्ति वेतन प्रतिवेदन माननीय न्यायालय एनजीटी मध्य प्रदेश भोपाल को सौंपेगी ।कमेटी के सदस्य सेंट्रल पॉल्यूशन के सदस्य बोर्ड के सदस्य स्टेट पॉल्यूशन के सदस्य खनिज के सदस्य कलेक्टर रीवा के सदस्य तहसीलदार हुजूर खनिज विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी खनिज विभाग के जिला अधिकारी याचिका करता बीके माला एडवोकेट पुलिस प्रशासन थाना प्रभारी सहित संबंधित विभागों के वैज्ञानिक अधिकारी उपस्थित रहे ।

पुलिस ने फरार चल रहे 5 हजार रुपये के इनामी बदमाश को किया गिरफ्तार

मऊगंज।

पुलिस ने लूट के मामले में फरार चल रहे 5 हजार रुपये के इनामी बदमाश को पटेहरा गांव में दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया है।आरोपी दीपक पटेल पुत्र श्रीनिवास पटेल उम्र 30 वर्ष निवासी पटेहरा छोटा टोला जो 1 वर्ष पूर्व अपने एक अन्य साथी के साथ मदराबल गांव निवासी अजय कुमार कोल के साथ लूट की घटना को अंजाम दिया था।फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 392,34 के तहत अपराध दर्ज करते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी।कई बार मऊगंज पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया पर पुलिस को सफलता नहीं मिली।आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी मऊगंज थाने में 10 के लगभग अपराध दर्ज हैं. पुराने मामले में पेशी दौरान न्यायालय में हाजिर न होने से न्यायालय ने भी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। मऊगंज पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी गांव आया हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने अपने दलबल के साथ दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।जिसे न्यायालय में पेश किया गया। जहां से पुलिस अभिरक्षा में जेल भेजा गया है।

हाई प्रोफाइल तरीके से की गई चोरी का पुलिस ने किया पर्दाफाश

ट्रक, कार सहित लाखों के पाइप बरामद

रीवा।

जिले गोविंदगढ़ पुलिस ने हाई प्रोफाइल हुई चोरी के मामले में पर्दाफाश किया है आरोपियों से ट्रक,कार सहित लाखों के पाइप बरामद किया है पूरे मामले में थाना प्रभारी गोविंदगढ़ शिव अग्रवाल ने सनसनी केस खुलासा किया है। जनकारी के मुताबिक दिनांक 14/05/24 को फरियादी रजनीश विश्वकर्मा पिता सुरेंद्रमणि विश्वकर्मा उम्र 28 वर्ष निवासी गंगहरा थाना सगरा जिला रीवा द्वारा दिनांक 14.05.2024 को 45 नग डी आई पाइप कीमती 3,50,000 रुपए की चोरी होने के संबंध में रिपोर्ट लेख कराया था। जिस पर से थाना में अपराध क्रमांक 125/24 धारा 379 ता.हि. कायम कायम कर पुलिस द्वारा

तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी गण रहीमुद्दीन पिता निजामुद्दीन उम्र 30 वर्ष निवासी जुगनिहाई थाना रायपुर कर्चुलियान एवं प्रशांत सिंह पिता धर्मेंद्र सिंह उम्र 29 वर्ष निवासी रायपुर कर्चुलियान के कब्जे से चोरी गई 45 नग पाइप एवं घटना में प्रयुक्त की गई कार क्रमांक MP17CA2620 एवं ट्रक क्रमांक HR46D1786 को जप्त कर आरोपी गणों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय रीवा पेश किया गया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया। कीमती-15,00000 रुपये कुल कीमती- 38 लाख 50 हजार रुपये।

वाहन की टक्कर लगने से युवक की थमी सांसें

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कुठला थाना क्षेत्र के कैलवारा कलां गांव के मुख्य मार्ग पर एक युवक सड़क हादसे का शिकार हो गया। गंभीर रूप से घायल इस युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि यह युवक अस्थि विसर्जन कर अपने गृहग्राम वापस लौट रहे परिवार के साथ रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में ले लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डिंडौरी जिले के शाहपुर थाना अंतर्गत दर्री मोहगांव निवासी यादव परिवार के लोग परिवार के एक सदस्य का अस्थि विसर्जन करने सोमवार को प्रयागराज गए थे। अस्थि विसर्जन करने के बाद परिवार कार से वापस अपने गांव लौट रहा था।